विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – अष्टम दिनांक -27 - 09 - 2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज व्यंजन संधि के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

व्यंजन संधि के नियम

व्यंजन संधि को कुछ मुख्य नियमों में बाटा गया है, जो निम्न लिखित है।

नियम-1 :-

किसी वर्ग के पहले वर्ण (क् च् ट् त् प) का मेल किसी स्वर अथवा किसी वर्ग के तीसरे वर्ण (ग ज ड द ब) या चौथे वर्ण (घ झ ढ ध भ) अथवा अंतःस्थ व्यंजन (य र ल व) के किसी वर्ण से होने पर वर्ग का पहला वर्ण अपने ही वर्ग के तीसरे वर्ण (ग् ज् इ दु ब) में परिवर्तित हो जाता है। जैसे–

- दिक् + अंत = दिगंत (क् + अ = ग)
- सत् + भावना = सद्भावना (त् + भ = द)
- अच् + आदि = आजादी (च् + आ = ज)
- अप् + ज = अब्ज (प् + ज = ब)
- षट् + आनन = षडानन (ट् + आ = ड)

नियम-2 :-

यदि "क्, च्, ट्, त्, प्" के बाद न् या म् के मेल अपने वर्ग के पंचम वर्ण में रूपान्तरित हो जाता है। जैसे–

- वाक् + मय = वाङ्मय (क् + म = ङ्)
- चित् + मय = चिन्मय (त् + म = न्)
- जगत् + नाथ = जगन्नाथ (त् + न = न्)
- तत् + मय = तन्मय (त् + म = न्)
- षट् + मुख = षण्मुख (ट् + म = ण्)

नियम-3 :-

जब त् या ट् के बाद यदि च् या फ् हो तो त् या ट् के बदले च् हो जाता है। ज या झ हो तो ज हो जाता है। ट् या ठ् हो तो ट् हो जाता है। ड् या ढ् हो तो ड तथा ल् हो तो ल हो जाता है। जैसे–

- उत् + चारण = उच्चारण (त् + च = च)
- सत् + जन = सज्जन (त् + ज = ज)
- उत् + डयन = उड्डयन (त् + ड = ड)
- उत् + लास = उल्लास (त् + ल = ल)

नियम-4 :-

म् के बाद यदि कोई स्पर्श व्यंजन वर्ण आये तो म का अनुस्वार तथा बाद वाले वर्ण का रूपान्तरण स्पर्श व्यंजन के वर्ग का पंचम वर्ण हो जाता है। जैसे–

- अहम् + कार = अहंकार (म् + क = ङ्)
- सम् + गम = संगम (म् + ग = ङ्)
- किम् + चित = किंचित (म् + च = ञ्)